

तर्क: हाँ, यह विशेष खिलाड़ी के प्रति पसंद को हतोत्साहित करता है।

टिप्पणी: हमारा यह अनुभव सुझाव देता है कि इस उदाहरण में दिए गए परिणाम संभावित परिणाम होंगे। इसलिए हम आगे के परीक्षण में जाते हैं।

(iii) **तात्त्विक रूप से दिए गए तर्क:** इस प्रकार के तर्क, तात्त्विक योग्यता के आधार पर दिए जाते हैं। इसका मतलब है कि यहाँ पर तात्त्विक योग्यता पर बल दिया जाता है और न कि स्थापित तथ्य के अनुभव पर। यदि हम इस प्रकार के तर्क को देखते हैं तो हम आसानी से पूर्वानुमान लगा सकते हैं कि इस प्रकार की स्थिति कोशिश में आती है। लेकिन जब हम इन विषयों पर एक समान योग्यता देखते हैं, तो ऐसे तथ्य सही हो सकते हैं। नीचे दिए गए उदाहरण में देखें:

उदाहरण 20.

कथन: दुनियाँ के नेताओं को पूर्ण हथियारबंदी के लिए प्रयास करना चाहिए।

तर्क: हाँ, पूर्ण हथियारबंदी लड़ाई से मुक्त दुनियाँ बनायेगी।

टिप्पणी: यह उदाहरण एक तर्क देता है, जो तात्त्विक रूप से है कि यदि हथियारबंद दुनियाँ होगी तो लड़ाई से मुक्त दुनियाँ बनेगी। इसलिए तर्क पद II की परीक्षा पास करेगा और आगे के परीक्षण के लिए जायेगा।

(iv) **सत्य का प्रमाण:** इस प्रकार के तर्क बिना प्रश्न करने लायक सत्य होते हैं क्योंकि ये सार्वभौमिक सत्य होते हैं। इसका मतलब है कि ये समाज के द्वारा पहले ही माने हुए विचार होते हैं। यही कारण है कि ये बहुत से प्रकार में स्थायी तथ्यों से मिलते-जुलते होते हैं। उदाहरण नीचे दिया हुआ इस बिन्दु को समझाता है :

उदाहरण 21.

कथन: क्या रक्त संबंधियों के बीच शादी को बढ़ावा देना चाहिए?

तर्क: नहीं, यह सामाजिक व्याभिचार को बढ़ावा देगा।

टिप्पणी: इसमें कोई शक नहीं है कि दिया गया तर्क मजबूत दिखता है, क्योंकि यह सार्वभौमिक सच पर आधारित है कि हमारा समाज रक्त संबंधियों के बीच शादी को स्वीकार नहीं करता और इस प्रकार की शादियों के बीच शादी को स्वीकार नहीं करता और इस प्रकार की शादियों को असामाजिक मानता है। क्योंकि यह तर्क मजबूत दिखता है तो यह अगले पद में परीक्षण के लिए जाता है।

स्थिति II (जब परिणाम अनुसरण नहीं करता, तर्क नकार दिया जाता है)

नीचे दी गयी स्थिति को देखें जो परिणाम का अनुसरण नहीं करती और तर्क दूसरे पद में नकार दिये जाते हैं।

(i) **स्थायी तथ्य:** यदि यह स्थायी तथ्य है तो विशेष हल विशेष कार्य का अनुसरण नहीं करता, इसलिए तर्क को पद II में नकार दिया जाता है। नीचे दिए गए उदाहरण को देखें:

उदाहरण 22.

कथन: क्या धूम्रपान को देश में बढ़ावा नहीं देना चाहिए?

तर्क: नहीं, क्योंकि यह थके हुए इंसान को आराम देता है और इस प्रकार स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

टिप्पणी: यह स्थायी तथ्य है कि धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और इस प्रकार हम कह सकते हैं कि तर्क गलत है और पद II में नकार दिया जाने लायक कमजोर है।

(ii) **अनुभव के आधार पर पूर्वानुमान:** यदि अनुभव कहता है कि परिणाम अनुसरण

नहीं करेगा तो दिया गया तर्क पद II में नकार दिया जाएगा। नीचे दिए गए उदाहरण को देखें:

कथन: क्या क्रिकेटर A को भारतीय क्रिकेट टीम का अगला कप्तान नियुक्त किया जाना चाहिए?

तर्क: हाँ, क्योंकि यह टीम चुनने में पसंद को खत्म करेगा क्योंकि क्रिकेटर A ने वर्तमान कप्तान पर पसंदीदा खिलाड़ी के चयन का आरोप लगाया है।

टिप्पणी: इस उदाहरण में तर्क कहता है कि क्रिकेटर A को भारतीय क्रिकेट टीम का कप्तान चुना जाना चाहिए, क्योंकि यह टीम चयन में पसंद को खत्म करेगा। यह प्रस्ताव इसलिए दिया गया है, क्योंकि A ने वर्तमान कप्तान के खिलाफ पसंदीदा खिलाड़ी के चयन का आरोप लगाया है। लेकिन अनुभव ये कहता है कि बहुत सारी स्थितियाँ ऐसी होती हैं, जहाँ लोग वही करते हैं, जिसका कि वह विरोध करते हैं। इसलिए कहना कुछ और करना कुछ बहुत सामान्य है। इसलिए शत-प्रतिशत नहीं कहा जा सकता कि A सिर्फ इसलिए टीम चयन में पसंदीदा खिलाड़ी का चयन नहीं करेगा क्योंकि इसने वर्तमान कप्तान का विरोध किया था। यह स्पष्ट है कि दिया गया तर्क इतना कमजोर है कि इसे पद II में नकारा जा सकता है।

नोट: यह पद II में बिंदु (ii) के पूर्णतः विपरित है। (स्थिति I)

(iii) गलत अवधारणा के साथ तर्क: यह (स्थिति I) पद II में बिंदु (iii) के पूर्णतः विपरित है। नीचे दिए गए उदाहरण को देखें :

कथन: क्या बिहार में चारा घोटाला के आरोपियों को सजा मिलनी चाहिए?

तर्क: नहीं, यदि दोषियों को सजा होती है तो राजनीतिक निर्वात बनेगा।

टिप्पणी: तर्क के अनुसार यदि चारा घोटाला के आरोपियों को सजा होती है तो बिहार की जनता खुश होगी और बिहार सरकार का कद बढ़ेगा। यह राजनीतिक निर्वात कैसे बन सकता है? यह तर्क गलत अवधारणा के साथ दिया गया है और इसलिए पद II में नकार दिया जाएगा।

(iv) सत्य के रूप में नकारते तर्क : जो तर्क अप्रशनीय रूप (जो तर्क सार्वभौमिक रूप से सत्य हैं और जिन्हें समाज मानता है) को नकारते हैं उन्हें पद II में ही नकार दिया जाता है। नीचे दिए गए उदाहरण को देखें:

कथन: क्या भारत में खून संबंधी रिश्तों को बढ़ावा देना चाहिए?

तर्क: हाँ, यदि दो समझदार खून संबंधी ऐसा करना चाहते हैं, तो उन्हें ऐसा करने से नहीं रोका जा सकता है।

टिप्पणी: हमारे समाज में यह स्वीकृत किया गया सत्य है (या सार्वभौमिक सत्य) कि खून संबंधियों के बीच शादी एक अपराध है, जो कि व्याभिचार को बढ़ावा देता है। दिया गया तर्क सार्वभौमिक सत्य को नकारता है और पद II में नकार दिए जाने लायक कमजोर है।

(v) उदाहरण संबंधी तर्क: यह बहुत समय से यह देखा जाता है कि तर्क के आधार पर उदाहरण या मुद्दावरे दिए जाते हैं। किन्तु यह बात ध्यान देने योग्य है कि उदाहरण संबंधी तर्क कमजोर तर्क की श्रेणी में आते हैं। यह स्पष्ट है कि सिर्फ इसलिए कि किसी ने भूत में ऐसा कुछ किया, वही चीज होना संभव नहीं है। नीचे दिए गए उदाहरण को देखें :

कथन: क्या सभी को ज़िंदगी में सकारात्मक होना चाहिए।

तर्क: हाँ, इंदिरा गांधी सकारात्मक थी और इस कारण से वह भारत की प्रधानमंत्री बनीं।

टिप्पणी : यहाँ, इंदिरा गांधी का उदाहरण तर्क को कमजोर बनाता है। इस प्रकार के तर्क पद II में नकार दिये जाते हैं।

(vi) प्रत्येक की समझ पर आधारित तर्क:
कुछ स्थिति में यह देखा जाता है कि लेखक का नजरिया या अवधारणा तर्क का आधार होता है। इस प्रकार के तर्क में न तो स्पष्ट तर्क होता है न कि स्थायी तथ्य का आधार। इस प्रकार के तर्क कमजोर तर्क होते हैं और पद II में ही नकार दिए जाते हैं।

कथन: क्या भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाना चाहिए?

तर्क: नहीं, यह अराजकता को पैदा करेगा।

टिप्पणी: जो लेखक संदेश देना चाहता है, तर्क में लेखक का विचार है वास्तव में भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने या न करने से तर्क के परिणाम में कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इसका मतलब है कि तर्क में दिया गया कारण वास्तविकताओं का अनुसरण नहीं करता और यदि लेखक इस दावे पर दृढ़ है, तो यह उसकी अपनी व्यक्तिगत धारणा है, जो कि तर्क को कमजोर बनाता है और इसे पद II में खारिज कर दिया जाएगा।

पद III: दिए गए तर्क वास्तव में वांछनीय/हानिकारक है।

पद II में हम इस निष्कर्ष पर आते हैं कि उदाहरण 15-21, द्वितीय चरण का परीक्षण पास किया और पद III (तृतीय चरण परीक्षण) के लिए योग्य बने। इसलिए हम पद III में आये उदाहरण को एक के बाद एक देखते हैं।

उदाहरण 23. यहाँ तर्क सकारात्मक है और हमें वांछनीयता की जाँच करनी होगी। जैसा कि यह स्थायी सत्य है कि शराब पीने से स्वास्थ्य खराब होता है और इसलिए इससे बचना आवश्यक है। यह स्पष्ट है कि उदाहरण 23 तृतीय चरण परीक्षण पास कर लिया।

उदाहरण 24. इसमें कोई शक नहीं है कि तेंदुलकर वर्तमान में विश्व के महान खिलाड़ियों में से एक हैं। वह क्रिकेट के इतिहास में हमेशा महानतम लोगों की श्रेणी में रहेंगे। किन्तु यह भी सत्य है कि उन्होंने इस खेल में 20 साल से ज्यादा बिताए और एक सेवा निवृत्त क्रिकेटर हैं। इस कारण से वह 10 साल बाद अवश्य ही टीम में नहीं होंगे जैसे कि उनका चयन असंभव है। इसलिए स्थायी तथ्य के बाद भी तर्क वांछनीय नहीं है और पद III नकार दिया जाता है। (उदाहरण 24 एक कमजोर तर्क है।)

उदाहरण 25. यहाँ यह सत्य है कि माता-पिता से अलग रहना शादी-शुदा लोगों को ज्यादा आजादी प्रदान करता है लेकिन सिर्फ आजादी के लिए माता-पिता से अलग रहना अमानवीय है। इसके अलावा माता-पिता से अलग रहना उनकी देखभाल की सेवा से बचना है। इसलिए उदाहरण 25 में दिया गया तर्क 25 वांछनीय नहीं है और पद III में नकारने योग्य है।

उदाहरण 26. जैसा कि धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है इसका बढ़ावा अहितकर है। यह कारण तर्क को पद III के परीक्षण में पास करने के लिए पर्याप्त है।

उदाहरण 27. यह सही है कि किसी समय कप्तान के लिए पसंदीदा खिलाड़ी का चयन मुख्य है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि टीम के चयन के समय वह कुछ बोल नहीं सकते। कप्तान से वास्तव में, ये उम्मीद की जाती है कि यदि उन्हें टीम चयन में बोलने का मौका मिले तो वे सकारात्मक और वांछनीय परिणाम देंगे। इसके अलावा टीम के चयन में कप्तान को बोलने का मौका उन्हें टीम के खराब प्रदर्शन पर ज्यादा जिम्मेदार बनाता है और इससे कप्तान टीम के खिलाड़ियों से

सबसे अच्छा प्रदर्शन निकाल सकता है। इसलिए वांछनीय परिणाम नहीं है और तर्क दिया गया इतना कमजोर है कि पद III में निरस्त हो जायेगा।

► **उदाहरण 28.** यदि यह संभव है कि हथियार बंदी से दुनियाँ को युद्ध से मुक्त बनाया जा सके, यह अच्छा और सार्थक है। किन्तु पूर्ण हथियारबंदी इस बात की गारंटी नहीं देता कि असामाजिक तत्व जैसे मर्डर, लूट, आतंकवाद आदि बंद हो जायेंगे। इस प्रकार के असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए पुलिस और अन्य संयुक्त बल की आवश्यकता होगी। पुलिस और अन्य संयुक्त बल बिना हथियारों के कैसे काम करेंगे? इसमें कोई शक नहीं है कि इन सुरक्षा बलों के लिए बिना हथियार के काम करना असंभव है। इसलिए उदाहरण 6 में दिया गया तर्क कमजोर है और पद III में निरस्त किया जा सकता है।

► **उदाहरण 29.** रक्त संबंधियों के बीच शादी कौटुम्बिक व्याभिचार को बढ़ावा देता है, जो कि सामाजिक अपराध है और इसलिए समाज के आदर्श के लिए हानिकारक है। इस तर्क के आधार पर उदाहरण 7 में दिया गया तर्क पद III (तृतीय चरण परीक्षण) को पास करने के लिए पर्याप्त है।

अब,

पद IV: परीक्षण के लिए उत्तीर्ण उदाहरण:
उदाहरण 15, 18 और 21

पद III के लिए अचयनित उदाहरण: उदाहरण 16, 17, 19 और 20

नोट : एक सकारात्मक तर्क कैसे तय किया जाए जो कि वास्तव में वांछनीय है या एक नकारात्मक तर्क जो कि वास्तव में हानिकारक है, समान तर्क का काम है। अपनी तार्किक योग्यता का उपयोग करो, तर्क के बारे में सोचो, उचित तर्क और समाज के समान शर्तों के साथ जाओ।

पद IV : कथन और तर्क के बीच उचित संबंध खोजना

कथन और तर्क के बीच उचित तर्क का क्या अर्थ है? वास्तव में, इसका मतलब है कि तर्क मुख्य शामिल मुद्दे पर केंद्रित होना चाहिए और इसका केंद्र किसी भी अप्रासंगिक, तुच्छ या छोटे मुद्दों पर केंद्रित नहीं होना चाहिए। अब हम पद IV या अंतिम परीक्षा में जाते हैं। जैसा कि उदाहरण 15, 18 और 21 इस परीक्षण के लिए योग्य है, एक के बाद एक इन तीन उदाहरणों को जाँचते हैं।

► **उदाहरण 30.** शराब पीना और बुरा स्वास्थ्य ठीक और सीधे जुड़े हुए हैं। इसलिए दिया गया तर्क “हाँ, यह स्वास्थ्य के लिए बुरा करता है”। एक मजबूत तर्क है और यह अंतिम निष्कर्ष है।

► **उदाहरण 31.** धूम्रपान और बुरा स्वास्थ्य (स्वास्थ्य के लिए हानिकारक) ठीक और सीधे जुड़े हुए हैं। इसलिए, दिया गया तर्क “धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है” एक मजबूत तर्क है और यह अंतिम निष्कर्ष है।

► **उदाहरण 32.** रक्त संबंधियों के बीच शादी और सामाजिक व्याभिचार को बढ़ावा सीधे और उचित रूप से संबंधित है। इसलिए दिया गया तर्क “नहीं, यह सामाजिक व्याभिचार को बढ़ावा देगा जो कि एक सामाजिक अपराध है” एक मजबूत तर्क है और यह अंतिम निष्कर्ष है।

अब हम इस अध्याय के अंत में आ गये हैं। विद्यार्थियों के समझने के लिए नीचे दिया गया प्रश्न प्रारूप परीक्षा के लिए है। प्रश्न प्रारूप दिये गये उदाहरण 8 के समान है।

प्रश्न प्रारूप:

निर्देश: प्रत्येक प्रश्न का दो तर्क संख्या I और II अनुसरण करता है। आपको यह पता करना है कि कौन-सा तर्क मजबूत है और कौन सा कमजोर है।

उत्तर दें:

- (a) यदि सिर्फ तर्क I मजबूत है।
- (b) यदि सिर्फ तर्क II मजबूत है।
- (c) यदि तर्क I या II मजबूत है।
- (d) यदि न तो तर्क I न II मजबूत है।
- (e) यदि तर्क I और II दोनों मजबूत है।

कथन: क्या धूमपान को बढ़ावा देना चाहिए?

तर्क I: नहीं, धूमपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

II: हाँ, क्यों नहीं?

हल:

- I. अनुसरण करता है (उदाहरण 18 में कारण पहले ही दिया जा चुका है।
- II. अनुसरण नहीं करता है क्योंकि यह वापस प्रश्न पूछने जैसा तर्क है और इस प्रकार के तर्क बहुत कमजोर होते हैं। इसलिए, विकल्प (a) सही उत्तर है।

□ शॉर्टकट विधि

पद I: तर्क का प्राथमिक परीक्षण

उत्तीर्ण

अनुत्तीर्ण

कमजोर तर्क

पद II: तर्क कथन का अनुसरण करता है

उत्तीर्ण

अनुत्तीर्ण

कमजोर तर्क

पद III: तथ्य वांछनीय है (सकारात्मक कथन के लिए)/
हानिकारक है (नकारात्मक कथन के लिए)

उत्तीर्ण

अनुत्तीर्ण

कमजोर तर्क

पद IV: तर्क कथन से उचित रूप से संबंधित है

उत्तीर्ण

अनुत्तीर्ण

कमजोर तर्क

मजबूत तर्क

प्रश्नावली

निर्देश (प्र.सं. 1-5): महत्वपूर्ण प्रश्नों के बारे में निर्णय लेने में, 'मजबूत' तर्कों और 'कमजोर' तर्कों के बीच अंतर करने में सक्षम होना वांछनीय है। 'मजबूत' तर्क वे हैं जो महत्वपूर्ण और सीधे प्रश्न से संबंधित हैं। 'कमजोर' तर्क वे हैं जो अल्प महत्व के हैं और यह भी सीधे सवाल से संबंधित नहीं हो सकते हैं या प्रश्न के एक नगण्य पहलू से संबंधित हो सकते हैं।

नीचे दिए गए प्रत्येक प्रश्न के पीछे तीन तर्क (A), (B) और (C) दिए गए हैं। आपको यह तय करना होगा कि कौन सा तर्क एक 'मजबूत' तर्क है और कौन सा एक 'कमजोर' तर्क है?

1. **कथन:** क्या भारत में सिंचाई के प्रयोजनों के लिए भूजल निकालने पर एक उच्चतम सीमा निर्धारित होनी चाहिए?

तर्क:

- (A) नहीं, भारत में खाद्य उत्पादन के लिए सिंचाई का प्रमुख महत्व है और यह देश के कई हिस्सों में भूजल पर बहुत अधिक निर्भर है।
- (B) हाँ, देश के कुछ हिस्सों में भूजल खतरनाक रूप से निम्न स्तर पर चली गई है जहां सिंचाई मुख्य रूप से भूजल पर निर्भर है, जिसके कारण गंभीर पर्यावरणीय परिणाम हो सकते हैं।
- (C) हाँ, भारत अभी और भूजल निकालने का जोखिम नहीं उठा सकता क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने भारत को इसके प्रति आगाह किया है।

- (a) केवल (A) और (B) मजबूत हैं
- (b) केवल (B) और (C) मजबूत हैं
- (c) केवल (A) और (C) मजबूत हैं
- (d) सभी (A), (B) और (C) मजबूत हैं
- (e) इनमें से कोई नहीं

2. **कथन:** क्या भारत में तापशक्ति संयंत्र लगाने पर पूर्ण प्रतिबंध होना चाहिए?
- तर्क:**

- (A) हाँ, यह पर्यावरण प्रदूषण को रोकने का एकमात्र तरीका है।
- (B) नहीं, देश के अधिकांश हिस्सों में बिजली की भारी कमी है और इसलिए बिजली उत्पादन को बढ़ाने की आवश्यकता है।
- (C) नहीं, कई विकसित देश अपने देशों में तापशक्ति संयंत्र लगाते जा रहे हैं।
- (a) कोई भी मजबूत नहीं है
- (b) केवल (A) मजबूत है
- (c) केवल (B) मजबूत है
- (d) केवल (C) मजबूत है
- (e) केवल या तो (A) या (B) मजबूत है

3. **कथन:** क्या भारत में बड़े शहरों में ऊंची इमारतों के निर्माण पर प्रतिबंध होना चाहिए?

तर्क:

- (A) नहीं, भारत के बड़े शहरों में बढ़ती आबादी को समायोजित करने के लिए पर्याप्त खुले भूखंड नहीं हैं।
- (B) हाँ, केवल बिल्डरों और डेवलपर्स को उच्च वृद्धि वाली इमारतों के निर्माण से लाभ होता है।

- (C) हाँ, सरकार को नई ऊँची इमारतों के निर्माण की अनुमति देने से पहले मौजूदा इमारतों को पर्याप्त बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए।
- (a) केवल (B) मजबूत है
(b) केवल (C) मजबूत है
(c) केवल (A) और (C) मजबूत हैं
(d) केवल (A) मजबूत है
(e) इनमें से कोई नहीं
4. **कथन:** क्या बड़े शहरों में सड़क मरम्मत का काम केवल देर रात तक ही किया जाना चाहिए?
- तर्क:**
- (A) नहीं, इस तरह से काम कभी पूरा नहीं होगा।
(B) नहीं, बिजली का अनावश्यक उपयोग होगा।
(C) हाँ, दिन के समय मरम्मत कार्य के कारण यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।
(a) कोई भी मजबूत नहीं है
(b) केवल (A) मजबूत है
(c) केवल (C) मजबूत है
(d) केवल (B) और (C) मजबूत हैं
(e) केवल (A) और (B) मजबूत हैं
5. **कथन:** क्या सभी डीम्ड विश्वविद्यालयों को अमान्य कर देना चाहिए और भारत के किसी भी केंद्रीय विश्वविद्यालय से संबंध किया जाना चाहिए?
- तर्क:**
- (A) हाँ, इनमें से कई डीम्ड विश्वविद्यालय एक पूर्ण विश्वविद्यालय के आवश्यक मानकों के अनुरूप नहीं हैं और इसलिए शिक्षा के स्तर से समझौता किया जाता है।
(B) नहीं, ये डीम्ड विश्वविद्यालय विभिन्न उद्योगों की आवश्यकता के अनुकूल नवीन पाठ्यक्रम शुरू करने में सक्षम हैं क्योंकि वे सख्त सरकारी नियंत्रणों से मुक्त हैं।
(C) हाँ, ऐसे कई विश्वविद्यालय मूल रूप से धन कमाने की गतिविधियों में शामिल हैं और शिक्षा इन संस्थानों में पीछे रह जाता है।
(a) केवल (A) और (B) मजबूत हैं
(b) केवल (B) और (C) मजबूत हैं
(c) केवल (A) और (C) मजबूत हैं
(d) सभी (A), (B) और (C) मजबूत हैं
(e) इनमें से कोई नहीं
- निर्देश (प्र.सं. 6-8): निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उसके बाद के प्रश्नों के उत्तर दें।**
6. खेल मंत्रालय को दो खिलाड़ियों से खेल के क्षेत्र में सर्वोच्च पुरस्कार वापस लेने की सलाह दी गई है, जो मैच फिक्सिंग में कथित रूप से शामिल थे। निम्नलिखित में से कौन सा कथन समिति द्वारा खेल मंत्रालय को दिए गए तर्कों को कमजोर करेगा?
- (a) अतीत में एक अच्छा आचरण और खिलाड़ियों के खिलाफ सबूत की कमी मामले को बहुत कमजोर बनाती है।
(b) खेल मंत्रालय ने समिति द्वारा पहले की गई सिफारिशों को अस्वीकार नहीं किया है।
(c) खिलाड़ियों से पुरस्कार वापस लेना भविष्य में ऐसे कार्यों से बचने के लिए अन्य खिलाड़ियों के लिए एक अच्छा उदाहरण होगा।

- (d) पिछले कुछ मामले सामने आए हैं जहां बाद में खिलाड़ियों को कुछ कदाचार के कारण पुरस्कार वापस लेना पड़ा।
- (e) खेल और राजनीति के क्षेत्र से कुछ सबसे सम्मानित समिति का गठन किया जाता है।
7. कई संगठन एक ही उद्देश्य के लिए परीक्षा आयोजित करने के बजाय स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर भर्ती का सहारा ले रहे हैं।
निम्नलिखित में से कौन सा कथन उपरोक्त कथन में दिए गए तर्क को मजबूत करेगा?
- (a) हाल के अध्ययन भर्ती परीक्षाओं के प्रदर्शन से पिछले प्रदर्शन का कोई संबंध नहीं दर्शाता है।
- (b) स्नातक/स्नातकोत्तर परीक्षाओं को नैकरी से संबंधित वातावरण में प्रशिक्षण में भारी कमी माना जाता है।
- (c) जिन संगठनों ने स्नातक/स्नातकोत्तर परीक्षाओं के आधार पर भर्ती की थी, वे भर्ती हुए कर्मचारियों की गुणवत्ता में भारी गिरावट की रिपोर्ट करते हैं।
- (d) ऐसी नीतियों से स्नातक या स्नातकोत्तर में औसत प्रदर्शन से नीचे वाले छात्रों में बेरोजगारी बढ़ जाएगी।
- (e) ऐसी नीतियां संगठन के समय के धन और संसाधनों को बचा सकती हैं जो भर्ती परीक्षाओं के संचालन में बर्बाद हो जाती हैं।
8. सरकार के हाल के निर्देशानुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में सभी बैंक शाखाओं को कम्प्यूटरीकृत किया जाना चाहिए। निम्नलिखित में से कौन सा कथन सरकार के तर्क को कमजोर करेगा?
- (a) शहरी क्षेत्रों में बैंक शाखाओं के कम्प्यूटरीकरण ने उनके प्रदर्शन को अधिक कुशल और तेज बनाने में मदद की है।
- (b) बैंकों में कुशल और योग्य जनशक्ति की कमी को कम्प्यूटर द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है।
- (c) ग्रामीण क्षेत्रों में गैर-कम्प्यूटरीकृत बैंक शाखाएं उनके कम्प्यूटरीकृत समकक्षों के समान ही कारगर सिद्ध हुई हैं।
- (d) सरकार ने बैंकों के लिए सभी भर्ती परीक्षाओं में कम्प्यूटर ज्ञान के लिए एक विशेष परीक्षा शुरू की है।
- (e) ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी को कम्प्यूटर में अधिक से अधिक पेशेवरों को प्रशिक्षित करके नियंत्रित किया जा सकता है।

निर्देश (प्र.सं. 9-10): महत्वपूर्ण प्रश्नों के बारे में निर्णय लेने में, 'मजबूत' तर्कों और 'कमजोर' तर्कों के बीच अंतर करने में सक्षम होना वांछनीय है। 'मजबूत' तर्क वे हैं जो महत्वपूर्ण और सीधे प्रश्न से संबंधित हैं। 'कमजोर' तर्क वे हैं जो अल्प महत्व के हैं और यह भी सीधे सवाल से संबंधित नहीं हो सकते हैं या प्रश्न के एक गण्य पहलू से संबंधित हो सकते हैं। नीचे दिए गए प्रत्येक प्रश्न के बाद दो तर्क I और II दिए गए हैं। आपको यह तय करना होगा कि कौन सा तर्क एक 'मजबूत' तर्क है और कौन सा एक 'कमजोर' तर्क है?

उत्तर दें

- (a) यदि केवल तर्क I मजबूत है
- (b) यदि केवल तर्क II मजबूत है
- (c) यदि या तो I या II मजबूत है
- (d) यदि न तो I और न ही II मजबूत है और
- (e) यदि I और II दोनों मजबूत हैं

9. **कथन:** भारत में जीवन की लंबी अवधि को ध्यान में रखते हुए, सरकारी नौकरियों में सेवानिवृत्ति की आयु सीमा बढ़ाई जानी चाहिए?

तर्क :

- I. हाँ, अन्य देशों ने बहुत पहले ही फैसला कर लिया है।

II. हाँ, यह लाखों कर्मचारियों की वास्तविक मांग है।

10. **कथन:** क्या भारत में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश केवल छात्रों के किसी विशेष समूह को बिना रियायत के दिया जाना चाहिए?

तर्क :

I. हाँ, इससे पेशेवरों की गुणवत्ता में सुधार होगा क्योंकि वे पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा कर पाएंगे।

II. नहीं, यह बड़ी संख्या में सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों को व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पहुँच से दूर रखेगा।

संकेत एवं हल

1. (a) तर्क (A) और (B) दोनों मजबूत हैं। जो स्पष्ट रूप से भूजल स्तर को कम करने के सिंचाई और पर्यावरणीय परिणामों के महत्व को दर्शाता है। तर्क (c) मजबूत नहीं है।
2. (c) केवल तर्क (B) मजबूत है क्योंकि भारत में तापशक्ति पर्यावरण प्रदूषण को बढ़ाने का एक तरीका है, इसलिए इसे पूरी तरह से प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता है। तर्क (C) उदाहरण पर आधारित है जो एक बुरा तर्क है।
3. (d) तर्क (A) मजबूत है क्योंकि भारत में बड़े शहरों में जगह की कमी के कारण बड़ी इमारत को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
4. (c) केवल तर्क (C) मजबूत है क्योंकि यात्रियों की असुविधा से बचने के लिए मरम्मत कार्य केवल रात में ही उचित है।
5. (c) केवल तर्क (A) और (C) मजबूत हैं क्योंकि शिक्षा के स्तर के साथ समझौता नहीं किया जा सकता है।
6. (a) विकल्प (a) खेल मंत्रालय को समिति द्वारा दिए गए तर्क को कमजोर करेगा।
7. (e) विकल्प (e) तर्क को मजबूत करेगा।
8. (c) विकल्प (c) सरकार के तर्क को मजबूत करेगा।
9. (d) दोनों तर्क कमजोर हैं। अन्य देशों की अलग-अलग शर्तें हैं। और भारत में युवाओं की जनसंख्या बढ़ रही है, इसलिए सरकारी नौकरियों में सेवानिवृत्ति के लिए युवा के लाभ के खातिर आयु सीमा नहीं बढ़ाया जाना चाहिए।
10. (b) हमारा देश अपने समग्र विकास और विकास के लिए शैक्षिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों का समर्थन करना चाहता है। इसलिए, भारतीय संदर्भ में, तर्क I मजबूत नहीं है।

कथन एवं अवधारणाएँ

प्रस्तावना

अवधारणाएँ विश्लेषणात्मक तर्क का आवश्यक हिस्सा हैं। यही कारण है कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रतियोगियों से अवधारणा खोजने के लिए कहा जाता है। इस अध्याय में हम देखेंगे कि अवधारणाओं का कैसे पता लगाना है। आगे जाने से पहले हमें समस्या के सामान्य प्रारूप को देख लेना चाहिए, जिससे परीक्षा में आने वाले प्रश्नों का स्पष्ट चित्र प्रस्तुत हो जाये।

समस्या का प्रारूप (सामान्य समस्या)

निर्देश: प्रत्येक प्रश्न में नीचे दिया एक कथन (या एक पद) है जिनकी दो अवधारणाएँ I और II अनुसरण करती हैं। अवधारणा ऐसी चीज है, जो कि मान ली जाती है। आपको कथन को देखना होगा और उसके बाद यह तय करना होगा कौन-से अवधारणा में कथन का प्रतिबिम्ब है।

उत्तर चिह्नित करें:

- यदि सिर्फ अवधारणा I
- यदि सिर्फ अवधारणा II
- यदि अवधारणा I या अवधारणा II
- यदि दोनों में से कोई भी अवधारणा
- यदि दोनों अवधारणा

कथन : 'एक' टेलीविजन- सबसे बड़ी शृंखला में से सबसे बड़ा बिकाऊ नाम - एक विज्ञापन।

अवधारणा

- मार्केट में टेलीविजन की माँग है।
- 'एक' टेलीविजन बहुत सारी विभिन्नताओं में से एक है।
समस्या प्रारूप में दिया गया यह कथन एक विज्ञापन है। यह कथन का एक रूप है। किन्तु कथन विभिन्न रूपों में हो सकते हैं। जैसे कि यह एक पद के रूप में हो सकते हैं; एक अलग पंक्ति के रूप में हो सकते हैं; एक सूचना के रूप में हो सकते हैं; एक माँग के रूप में हो सकते हैं; या किसी अन्य रूप में।

अवधारणा का क्या मतलब है?

अवधारणा तथ्य का छिपा हुआ हिस्सा है। इसका मतलब यह है अवधारणाएँ कुछ हैं, जिसे मान लिया जाता है, या ऐसे ही ले लिया जाता है। वास्तव में जब कोई व्यक्ति कहता है, वह सभी चीजों को शब्दों में नहीं कहता और कुछ हिस्सों को बिना कहे छोड़ देता है जैसे वह क्यों? इसलिए?

वह ऐसा इसलिए है क्योंकि उसने बिना कहा हुआ हिस्सा ऐसे ही मान लिया। अलग शब्दों में वह सोचता है कि बिना कहे, अनकहा हिस्सा समझा जा सकता है और इसलिए इसे (अनकहा हिस्सा) को शब्दों में रखने की जरूरत नहीं। इसका मतलब है कि अनकहा हिस्सा दिए गए कथन का छिपा हुआ भाग है और इसे छिपे हुए भाग को अवधारणा कहा

जाता है। इसे अन्य तरीके से समझते हैं। अपने बचपन के दिनों को याद करें जब आपको अंकगणितीय समस्याओं को बिना एक पद छोड़े हल करने को कहा जाता था। लेकिन आप अब क्या करते हो? आज आपका तरीका बिल्कुल अलग है। आज आप आसान पदों को यह मानकर छोड़ देते हो कि जो व्यक्ति आपके हल देखेगा, वह इन मूल पदों से अवगत होगा। इसलिए, यह अवधारणा का एक उदाहरण है। अवधारणा की संकल्पना को अधिक स्पष्ट रूप से समझने के लिए यह मान लें कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक वनडे अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच चल रहा है। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 300 रन बनाये जबकि भारत ने पीछा करते हुए 48 ओवर में 280 रन बना लिए हैं और अब बाकी बचे हुए दो ओवरों में भारत को मैच जीतने के लिए 21 रन और बनाने हैं। जैसे ही युवराज सिंह बल्लेबाजी करता है, आप अपने दोस्त से बोलते हैं- 'चिंता की कोई बात नहीं है, क्योंकि युवराज सिंह आक्रामक बल्लेबाज है। भारत अवश्य ही यह मैच जीत जायेगा।' आपने इस कथन में क्या पाया? वास्तव में, इस कथन के दो भाग हैं:

- (i) चिंता की कोई बात नहीं क्योंकि युवराज सिंह आक्रामक बल्लेबाज हैं।
 - (ii) भारत मैच जीतेगा।
- अब यह समय इन दो भागों पर सोचने का है। आप इन्हें कैसे जोड़ेंगे? यह मानकर कि एक आक्रामक बल्लेबाज बचे हुए दो ओवर में 21 रन बना सकता है। यहाँ अवधारणा का एक और उदाहरण है:
- (i) चिंता की कोई बात नहीं क्योंकि युवराज एक आक्रामक बल्लेबाज है।
 - (ii) एक आक्रामक बल्लेबाज दो ओवरों में 21 रन बना सकता है। (छिपा हुआ भाग/अवधारणा)

(iii) इसलिए भारत यह मैच जीतेगा।

अवधारणा के बारे में दिए गए उदाहरणों को और स्पष्ट रूप से जानें :

► उदाहरण 1.

कथन: भारत में बने सभी मोबाईल सेट में से 'M' ब्रांड के मोबाईल सेट की सबसे ज्यादा बिक्री है।

अवधारणा: भारत के सभी मोबाईल सेट की बिक्री का पता है।

टिप्पणी: दी गई अवधारणा मानने योग्य है। यहाँ कथन यह मानता है कि भारत में बने हुए सभी मोबाईल सेट में M ब्रांड की बिक्री सबसे ज्यादा है। वास्तव में बिना बाकी ब्रांडों की क्रय जाने बिना M ब्रांड के बारे में ऐसा नहीं माना जा सकता। इसलिए इस कथन में यह माना गया है कि अन्य सभी ब्रांडों की क्रय संरचना पता होगी।

► उदाहरण 2.

कथन: विराट बहुत अच्छे लय में हैं और इसलिए भारत आने वाली टेस्ट श्रृंखला में न्यूजीलैंड को हरा देंगे।

अवधारणा:

- I. विराट न्यूजीलैंड के खिलाफ आने वाली श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करेगा।
- II. विराट न्यूजीलैंड के खिलाफ आने वाली श्रृंखला में तिहरा शतक लगायेगा।

टिप्पणी: अवधारणा I मानने योग्य है, क्योंकि यह कहता है कि विराट अच्छे लय में हैं और इसलिए भारत न्यूजीलैंड को अगली श्रृंखला में हरा देगा। इसका मतलब है कि यह मान लिया गया है कि विराट न्यूजीलैंड के खिलाफ आने वाली श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करेगा और इस अच्छे प्रदर्शन के बल पर न्यूजीलैंड को हरा देगा। किन्तु II न मानने योग्य है क्योंकि यदि विराट अच्छे लय में हैं इसका मतलब यह नहीं

है कि वे अवश्य ही तिहरा शतक बनायेंगे। वह ऐसा कर भी सकता है और नहीं भी। इसलिए अवधारणा II कथन में छिपा हुआ नहीं है।

उदाहरण 3.

कथन: सरकारी निकाय के संगठन X की अगली बैठक एक साल बाद होगी।

अवधारणा: संगठन X एक वर्ष बाद भी कार्यरत रहेगी।

टिप्पणी: दी गई अवधारणा मानने योग्य है क्योंकि सामान्य अवसरों पर सिर्फ उस संगठन की बैठक होती है, जो कार्यरत है। इसलिए उद्घोषकर्ता यह मानकर चल रहा है कि संगठन एक वर्ष बाद भी कार्यरत रहेगा।

उदाहरण 4.

कथन: वह विद्यार्थी इतना बुद्धिमान है कि परीक्षा में अनुत्तीर्ण नहीं हो सकता।

अवधारणा: बहुत बुद्धिमान विद्यार्थी परीक्षा में अनुत्तीर्ण नहीं होते।

टिप्पणी: यह मानने योग्य अवधारणा है। दिए गए कथन के अनुसार विद्यार्थी अनुत्तीर्ण नहीं होगा (यह एक प्रभाव है) क्योंकि वह बहुत बुद्धिमान (यह कारण है) है। स्पष्टतः यह मान लिया गया है कि इस कथन में बहुत बुद्धिमान विद्यार्थी अनुत्तीर्ण नहीं होते।

कैसे एक शब्द या मुहावरा विभिन्नताएँ पैदा करता है?

A. निश्चित शब्दों के मामले

शब्द जैसे कि 'सभी', 'सिर्फ', 'सबसे अच्छा', 'सबसे मजबूत', 'आवश्यक रूप से', 'अचानक से' को देखें। ये वे शब्द हैं, जो अन्य शब्दों के अलावा वाक्यों में ज्यादा प्रभाव या ज्यादा वजन डालते हैं। वास्तव में यह शब्द वाक्य को एक अलग प्रभाव प्रदान करता है और इस प्रकार वाक्य के विस्तार को कम करता

है। वास्तव में कुछ प्रकार की निश्चितता इन शब्दों से जुड़ी होती है। नीचे दिए उदाहरण को देखें:

उदाहरण 5.

कथन: प्याज की कमी बहुत खराब हालात में है और शासन को प्याज के आयात पर ध्यान देना चाहिए।

अवधारणा:

- आयात, प्याज की कमी से बचने के लिए सबसे अच्छा उपाय है।
- आयात प्याज की कमी से बचने के लिए अच्छा उपाय हो सकता है।
- आयात प्याज की कमी से बचने का एकमात्र उपाय है।
- प्याज के आयात को बढ़ाने से प्याज के कमी की समस्या अवश्य हल हो जायेगी।
- प्याज का आयात बढ़ाने से प्याज के कमी की समस्या शायद हल हो जायेगी।

टिप्पणी: ऊपर दिए गए उदाहरण में अवधारणा (ii) और (v) मानने योग्य हैं। किन्तु (i), (iii) और (iv) न मानने योग्य हैं। कारण यह है (i), (iii) और (iv) में निश्चयात्मक शब्द (सबसे अच्छा, सिर्फ और आवश्यक रूप से) हैं। दिया गया कथन कहता है कि प्याज की कमी सबसे मंदी स्थिति में है और यह अवधारणा देता है कि प्याज का आयात बढ़ाया जाना चाहिए। वास्तव में, कथन यह मानता है कि आयात प्याज में कमी की समस्या से छुटकारा पाने में मदद कर सकता है या आयात प्याज में कमी की समस्या से समाधान का अच्छा/उपयुक्त उपाय है। किन्तु यहाँ ऐसा कोई संकेत नहीं है कि आयात सिर्फ उपाय/सबसे अच्छा उपाय/आवश्यक उपाय है।

इसलिए, दिया गया उदाहरण स्पष्ट करता है कि निश्चयात्मक शब्द वाक्यों में एक अलग 'आवाज' पैदा करते हैं।

B. संयोजक के मामले

शब्द जैसे कि 'क्योंकि', 'इसलिए', 'बाद', 'इसके बाद भी', 'ऐसा', 'इसके बावजूद', 'यहाँ तक कि' कुछ महत्वपूर्ण संयोजक हैं। जब कथन में दो खंड होते हैं और ये खंड, संयोजक के द्वारा जुड़े हुए होते हैं, तो संयोजक की प्रकृति लेखक के द्वारा कथन में कहे गए अवधारणा को पहचानने में मदद करती है। मान लो कि 'x' वाक्य का एक खण्ड है, जो कि एक दृश्य (या घटना/सुझाव) है और 'y' उसी वाक्य में अलग खण्ड है, जो अलग दृश्य (या घटना/सुझाव) इंगित करता है, तो दिए गए संयोजक के आधार पर, हम निम्न अवधारणा को निष्कर्षित कर सकते हैं।

- (i) 'x' क्योंकि 'y' के परिणाम के अनुसार
 ⇒ यह माना जाता है कि 'y', 'x' का अनुसरण करता है।

उदाहरण 6.

कथन: संस्था 'M' में कहाँ लेने के बाद आपकी अंग्रेजी अच्छी हो जायेगी।

योग्य अवधारणा: संस्था शायद अंग्रेजी सुधारने में मदद करेगी।

- (ii) x इसके साथ/इसलिए y ⇒ यह माना जाता है कि 'x', 'y' का अनुसरण करता है।

उदाहरण 7.

कथन: सचिन तेंदुलकर पहले 50 टेस्ट शतक बनाने वाले खिलाड़ी बने, इसलिए प्रत्येक भारतीय को उनकी इस उपलब्धि के लिए गर्व होना चाहिए।

योग्य अवधारणा: किसी एक देशवासी की उपलब्धि अन्य देशवासियों को गौरवान्वित बनाती है।

- (iii) x के बाद भी/के बावजूद/y के बावजूद

⇒ यह माना जाता है कि 'x' नहीं आता जब 'y' आता है।

उदाहरण 8.

कथन: पुलिस के द्वारा बहुत अधिक सुरक्षा व्यवस्था बनाने के बावजूद कल रात सिटी मॉल में चोरी हुई।

योग्य अवधारणा: बहुत अधिक सुरक्षा व्यवस्था चोरी रोकने के लिए पर्याप्त है।

- (iv) x के बाद भी/के बावजूद/y के बावजूद भी नहीं ⇒ यह माना जाता है कि आमतौर पर 'x' आता है, जब 'y' आता है।

उदाहरण 9.

कथन: 6 दिन के निरंतर बारिश के भराव के बाद भी महामारी का कोई प्रकोप नहीं था।

योग्य अवधारणा: बारिश का भराव आमतौर पर महामारी को निमंत्रण देता है।

C. गुणबोध वाक्यांश के मामले

किसी-किसी समय लेखक के द्वारा उपयोग किये जाने वाले शब्द थोड़ा अप्रत्यक्ष या अपरंपरागत होता है। इस वजह से आप उन चीजों को छोड़ जाते हो, जो लेखक आपसे कहना चाहते हैं। इस प्रकार के अप्रत्यक्ष या अपरंपरागत शब्दों को गुणबोधक वाक्यांश कहा जाता है। उदाहरण के लिए 'यह सही है कि ' को लिखा जा सकता है:

- (i) उचित दावे की सच्चाई के साथ यह कहा जा सकता है कि
- (ii) यह कहना सही होगा कि
- (iii) यहाँ तक कि अधिकांश पुरुष नास्तिक इस बात से सहमत होंगे कि.....

इसी प्रकार से, "यह गलत है" लेखक द्वारा

निम्न प्रकार से बताया/लिखा जाता है:

- (i) यह कहना आधारहीन है कि
- (ii) यह कहना पूरी तरह भ्रामक होगा कि
- (iii) इससे अधिक सत्य से परे और कुछ नहीं हो सकता कि

नोट: गुणबोधक वाक्यांशों की उपयोगिता पृष्ठ गये प्रश्न में बहुत सीमित है क्योंकि वे इस तरह से दिए जाते हैं कि आपकी आंखों से बच नहीं सकते, जब वे आपके सामने से गुजरते हैं।

अवधारणा से संबंधित नियम

- (i) ऐसा माना जाता है कि जनहितकारी सूचना/अधिकारिक सूचना के किसी भी रूप पर ध्यान दिया जाता है।
- (ii) यदि किसी पुनर्विचार के लिए कहा जाता है तो यह माना जाता है कि पुनर्विचार पर प्रतिक्रिया मिलेगी।
- (iii) किसी भी प्रकार का विज्ञापन यह मानकर दिया जाता है कि लोग ऐसी सामग्री का जवाब देंगे।
- (iv) यदि X, Y से कुछ कहता है तो यह माना जाता है कि Y इसे सुनेगा कि X क्या कहता है।

अवधारणाओं की असमर्थता के लिए शर्त

- (a) **पुनः कथन:** यदि दी गयी अवधारणा दिए गए कथन का पुनः कथन है, तो दिया गया कथन अमान्य होगा। वास्तव में, इस स्थिति में वही चीजों को अलग शब्दों में रखा जा सकता है।

उदाहरण 10.

कथन: भारत में बनने वाले सभी कम्प्यूटर ब्रांडों में से, ब्रांड M की सबसे ज्यादा बिक्री है।

अयोग्य अवधारणा: ब्रांड M के अलावा अन्य किसी भी ब्रांड की इतनी बिक्री नहीं है।

- (b) **लंबे समय से तैयार निष्कर्ष:** यदि एक अवधारणा बहुत लंबा तर्क या बहुत लंबा निष्कर्ष बनाती है, तो इसे अयोग्य अवधारणा माना जाता है।

उदाहरण 11.

कथन: सभी शिक्षा धार्मिक शिक्षण पद्धति से दी जानी चाहिए क्योंकि धार्मिक भावनाएँ ज्ञान की जिज्ञासा की ओर ले जाती हैं।

अयोग्य अवधारणा: जिज्ञासु व्यक्ति अच्छे व्यक्ति होते हैं।

- (c) **पर्यवेक्षण:** यह पुनः कथन के मामले से थोड़ा अलग है। इस मामले में, तीन में से दो (विषय, क्रिया, विधेय) नकारात्मक में बदल जाता है, जो कि वाक्य के मतलब को बदले बिना उसके प्रारूप बदल देता है।

उदाहरण 12.

कथन: सौंदर्य प्यारा है।

अयोग्य अवधारणा:

- (i) कुरूपता प्यारा नहीं है।
- (ii) सौंदर्य घृणा करने योग्य नहीं है।
- (d) **परिवर्तन:** जब आपने 'न्याय' अध्याय को पढ़ा होगा, तो आपने देखा होगा कि कथन तत्काल अनुमान में परिवर्तित हो जाते हैं। वास्तव में, परिवर्तन के तीन मानक रूप होते हैं।
 - (i) सभी M, N हैं, जो कुछ N हैं M में परिवर्तित होते हैं।
 - (ii) कुछ M, N हैं, जो कुछ N हैं M में परिवर्तित होते हैं।
 - (iii) कोई M, N नहीं है, जो किसी N, M है, में परिवर्तित नहीं होते।

यह बात उल्लेखनीय है कि दी गयी अवधारणा अयोग्य है। यदि यह दिए गए कथन का परिवर्तन है।